आदर्श प्रश्न कोष

हिन्दी 'अ'

संकलित परीक्षा- II

कक्षा - X

	अपठित बोध	
1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:** आचार्य ने बालक से पूछा- ''क्या कर रहे हो? कुश तो पवित्र होती हैं, इन पर क्रोध करना अच्छा नहीं है।'' बालक ने उत्तर दिया- ''जो कष्ट पहुँचाए, उसे जीने का हक नहीं। उसे नष्ट करना ही पुण्य ह।'' आचार्य ने कहा- '' लेकिन कुश तो नष्ट नहीं होते, अवसर पाकर फैल जाते हैं।'' बालक ने कहा-'' नहों! मैं ऐसा नहीं होने दूँगा। इसकी दोबारा होने की सभी संभावनाओं को जलाकर राख कर दूँगा। शत्रु को निर्मूल करने पर विश्वास करता हूँ मैं।'' बालक के पैरों में कुश नामक घास चुभो थी। अत: उसने कुश को ही निर्मूल कर दिया। खोद-खोदकर उसकी जड़ों में छाछ डालकर बची-खुची छोटी-छोटी जड़ों को भी जला दिया था उसने। आचार्य ने बालक में छिपी संभावनाओं को पहचान लिया था। ऐसा आत्मविश्वास और प्रबल इच्छाशक्ति ही व्यक्तित्व को ऊँचाइयों पर पहुँचाती है। ऐसे में यदि उसे उचित अवसर मिल जाए तो वह इतिहास पुरुष ही बनता है और ऐसा ही हुआ भी। लगभग दो हजार वर्ष पूर्व भारत के इतिहास को जिस बालक ने स्वर्णिम मोड़ दिया, वही बालक बड़ा होकर चाणक्य बना। उसका असली नाम था विष्णुगुप्त, वह चणक का पुत्र होने के नाते चाणक्य था। उसकी चालें शत्रु की पकड़ में नहीं आती थों, अति कुटिल थीं, इसलिए उसे लोगों ने नाम दिया था- कौटिल्य। वह दिखने में जितना कठोर था, उतना ही सहृदय भी था। राजनीति की बिसात पर टेढ़ी-मेढ़ी चालों का खिलाड़ी होने पर भी वह सच्चा महात्मा था। उसके लिए सुख, वैभव, पद आदि महत्वपूर्ण नहीं थे, महत्वपर्ण था देश का अखण्ड गौरव। (i) कुश की घटना से विदित होता है कि– (क) बालक क्रोधी था (ख) वह बहुत हठी था (ग) दृढ़ निश्चयी था (घ) विवेकहीन था।	5

	(ii) इतिहास पुरुष बनता है वह व्यक्ति जिसमें– (क) शत्रु के विनाश की इच्छा हो (ख) कष्टकारी को निर्मूल करने की क्षमता हो (ग) अपने पर भरोसा हो (घ) विनाशक शक्ति का गुण हो (iii) कौटिल्य के विषय में कौन-सा कथन असत्य है? (क) उसने इतिहास को स्वर्णिम मोड़ दिया (ख) उसकी चालें स्वार्थ से भरी थीं (ग) वह सच्चा महात्मा था (घ) मन से संवेदनशील था (iv) पबल का पर्यायवाची है– (क) शक्तिशाली (ख) प्रभावशाली (ग) श्रमशील (घ) संवेदनशील (v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है: (क) इतिहासपुरुष चाणक्य (ख) राजनेता कौटिल्य (ग) हठी विष्णुगुप्त (घ) राजनीति का खिलाड़ी।	
2	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:** धर्मा हाड़ मांस का बना कहने भर को जी रहा इन्सान की शक्ल का प्राणी है। धर्मा हिन्दुस्तान में रहता है, यह जाने बिना कि वह किस खेत की मूली है। वह तब से धर्मा है	5

जब से उसके कानों में
खांसते बाप
और कराहती माँ से
इस नाम की पुकार सुनी।
धर्मा
बचपन से ही
अपनी कोमल हड्डियों को तानकर
बापू के ठेले के साथ भागा है।
उसने अपने बूढ़े मां-बाप का
मना करने पर भी उगा देने का रिन
भरसक चुकाया है।
यह बात अलग है
कि जवानी उसके लिए
राशन की चीनी हो गई,
कि मूंछे पाने से पूर्व ही
उसके रस-निचुड़े नीबूं से चेहरे पर
वर्दों की लकीरें खिंच गई।
धर्मा नगर में रहा
सेठों की सेवा में।
वहीं वह अनेक बार मरा है
मेहनत करके,
भूखा रहकर
अपमानित होकर।
वह बेचारा
यह पहेली कभी न बूझ पाया
कि बिस्नू जी की लक्षमी
सेठ की तिजौरी में
कैसे कैद हो गई?

(i) धर्मा हिन्दुस्तान का नागरिक तो है किंतु सामाजिक दृष्टि से वह है–

(क) पूजनीय
(ख) सराहनीय
(ग) महत्वहीन
(घ) धनहीन

	(ii) धर्मा कब से धर्मा कहलाता है? (क) मां के द्वारा जन्म देने के क्षण से (ख) पिता से मिलने वाले प्यार के क्षणों से (ग) रोगी मां-बाप की वृद्धावस्था के क्षणों से (घ) संसार में होश सम्भालने के क्षण से (iii) 'जवानी उसके लिए राशन की चीनी हो गई पंक्ति का आशय है– (क) युवावस्था आई ही नहीं (ख) युवावस्था बड़ी मुश्किल से आई (ग) युवावस्था नाममात्र को आई (घ) युवावस्था कष्ट लेकर आई (iv) धर्मा के नगर जीवन-यापन के विषय में कौन-सा कथन असत्य हैं? (क) सुखपूर्वक (ख) भूखा रहकर (ग) अपमान सहकर (घ) परिश्रम करके (v) धर्मा नगर में रहकर क्या नहीं समझ पाया? (क) नगरवासी सुखी क्यों हैं? (ख) गरीबों के भाग्य में दुख क्यों लिखा है? (ग) धनदेवी की कृपा धनिकों पर ही क्यों हैं? (घ) परिश्रम करके भी श्रमिक दयनीय क्यों हैं?	
व्यावहारिक व्याकरण		
1	निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए- (क) क्या आपको अपने <u>देश</u> की याद आती है? (ख) उनका हृदय सदा <u>करूणा</u> से भरा रहता है। (ग) वह पहाड़ी पर <u>शान्तभाव</u> से बैठा है। (घ) बाहर <u>कोई</u> खड़ा है?	4
2	(i) निम्नलिखित वाक्यों को पहचानकर रचना की दृष्टि से उनके भेद लिखिए - (क) नवाब साहब ने खाने के लिए अनुरोध किया किंतु मैंने मना कर दिया। (ख) जब उन्होंने मेरी ओर देखा तब मैंने उन्हें नमस्कार किया।	4

	(ii) निर्देशानुसार वाक्यों को बदलिए- (ग) हम पुणे पहुँचे और महाबलेश्वर चले गए- मिश्र वाक्य में (घ) भयंकर कुहरे के कारण हवाई जहाज विलम्ब से आया– संयुक्त वाक्य में	
3	निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए– (क) ऋतुराज ने तुम्हारी समस्याओं को लेखन का विषय बनाया है- कर्मवाच्य में (ख) आओ पेड़ की छाया में बैठें- भाववाच्य में (ग) इसी कारण लड़की को अंतिम पूँजी कहा गया है- कर्तृवाच्य में (घ) माँ परंपरा से हटकर उसको सीख दे रही है– कर्मवाच्य में	4
4	निम्नलिखित काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकार छाँटकर लिखिए– (क) प्रीति–नदी में पाऊँ न बोरभौ (ख) मन की मन ही माँझ रही (ग) पीपर पात सरिस मन डोला (घ) जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं	4
5	निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– (क) वह देवदारू की छाया में <u>खड़ा</u> है। (रेखांकित पद का व्याकरणिक परिचय दीजिए।) (ख) उसने लापरवाही की और दुर्घटना घट गई– (सरल वाक्य में बदलिए।) (ग) मानवेन्द्र द्वारा अच्छी तरह पुस्तक नहीं पढ़ी गइ - (कर्तृवाच्य में बदलिए।) (घ) थकी सोई है मेरी मौन–व्यथा (काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार छाँटकर लिखिए।)	4
पाठयपुस्तक व पूरक पाठयपुस्तक		
1	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए:** फ़ादर को जहरबाद से नहीं मरना चाहिए था। जिसकी रंगों में दूसरों के लिए मिठास भरे अमृत के अतिरिक्त और कुछ नहीं था उसके लिए इस ज़हर का विधान क्यों हो? यह सवाल किस ईश्वर से पूछें? प्रभु की आस्था ही जिसका अस्तित्व था। वह देह की उस यातना की परीक्षा उम्र की आखिरी देहरी पर क्यों दे? (i) फ़ादर को ज़हरबाद से नहीं मरना चाहिए था क्योंकि– (क) वह देव तुल्य थे। (ख) वह एक सन्त थे। (ग) उनके व्यवहार में मधुरता थी।	5

	(घ) वह परोपकारी थे। (ii) ज़हरबाद जैसे रोग का विधान नहीं होता है– (क) पापियों के लिए (ख) दुराचारियों के लिए (ग) मधुर प्रकृति वालों के लिए (घ) दुर्जनों के लिए (iii) 'प्रभु की आस्था ही जिसका अस्तित्व था- का आशय है– (क) फ़ादर आस्तिक थे (ख) फ़ादर मानवता के उपासक थे (ग) प्रभु को ही जीवन का एकमात्र आधार मानते थे। (घ) प्रभु को संसार का रचयिता मानते थे। (iv) 'उम्र' को आखिरी देहरी' का अभिप्राय है– (क) वृद्धावस्था (ख) युवावस्था का अन्तिम पड़ाव (ग) ढलता जीवन (घ) जर्जर शरीर (v) अस्तित्व का समानार्थक है- (क) आधिपत्य (ख) प्रभुता (ग) सत्ता (घ) नियंत्रण	
2	**निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए-** (क) लेखक ने फ़ादर के विषय में ऐसा क्यों कहा है कि कभी-कभी लगता है कि वे मन से संन्यासी नहीं थ? टिप्पणी कीजिए। (ख) आग की खोज एक बड़ी खोज क्यों है? 'संस्कृति' पाठ के आलोक में उत्तर दीजिए। (ग) भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में 'एक कहानी यह भी' आत्मकथा की लेखिका की भूमिका को रेखांकित कीजिए। (घ) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 'स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ में स्त्री शिक्षा के विरोधियों की दलीलों का खंडन किस प्रकार किया है? (ङ) कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे? नौबत खाने में इबादत' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए	10
3	**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-** दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं, देह सुखो हो पर मन के दुख का अंत नहीं।	5

	दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर, क्या हुआ जो खिला फूल रस-वसंत जाने पर? जो न मिला मूल उसे कर तू भविष्य वरण, छाया मत छूना मन, होगा दुख दूना। (क) कवि के दुख का कारण क्या है? (ख) 'बीति ताहि बिसार दे आगे की सुधि लो' का भाव पद्यांश की किस पंक्ति में व्यक्त हुआ है? (ग) 'क्या हुआ .... वसंत जाने पर' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।	
4	**निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए :** (क) मुख्य गायक के स्वर को चट्टान की तरह क्यों बताया गया है? (ख) संगतकार की मनुष्यता क्या है? (ग) माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही थी? (घ) 'चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा हैं– पंक्ति से आप क्या समझते हैं? (ङ) परशुराम ने राम को सहस्रबाहु के समान शत्रु क्यों कहा?	10
5	देश के एक संवेदनशील युवा नागरिक के रूप में, देश की सुरक्षा हेतु सीमाओं पर तैनात सैनिकों के परिवारों के प्रति, आप अपने दायित्वों का निर्वाह कैसे करेंगे? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के संदर्भ में उत्तर दीजिए।	4
6	**निम्नलिखित में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :** (क) झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था? (ख) कठोर समझी जाने वाली दुलारी टुन्नू की मुत्यु पर क्यों विचलित हो उठी? (ग) प्रधान संवाददाता ने अपने सहकर्मी को क्यों डाँटा? 'एही ठैयाँ झुलनी हैरानी हो रामा' पाठ के आधारपर बताइए। (घ) जापान के अस्पताल में लेखक ने क्या देखा?	6
	लेखन	
1	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए बिन्दुओं के आधार पर एक अनुच्छेद लिखिए-** (क) सदाचार जीवन का आधार ● महत्व - धन से बढ़कर ● लाभ - स्वास्थ्य, यश, समाज में स्थान ● निष्कष - हमारा कर्तव्य-सदाचार	5

	(ख) महानगरों की समस्याएँ- • महानगर का स्वरूप • जनसंख्या, ट्रैफिक, मकान, यातायात • समाधान- सरकार और नागरिकों का सहयोग (ग) पुस्तकें सच्ची मित्र • पुस्तकों का महत्व • पुस्तकों का जीवन पर प्रभाव • लाभ	
2	अपने नगर के जल विभाग के प्रमुख अधिकारी को पत्र लिखकर पेयजल की समस्या के समाधान के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।	5
3	आप-अपने नगर में रक्तदान शिविर का आयोजन करना चाहते हैं। नगर के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर इस कार्य के लिए डॉक्टरों की व्यवस्था के लिए उनसे अनुरोध कीजिए।	5